

‘अपराजिता’ स्वर्ण जयंती विशेषांक का विमोचन

संपादक मण्डल

श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भुङ्कुड़ा, गाज़ीपुर के लिए वर्ष 2025 स्मरणीय ही नहीं, ऐतिहासिक महत्व का वर्ष रहा, जब संस्थान ने अपनी स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में तैयार किए गए ‘अपराजिता’ स्वर्ण जयंती विशेषांक का भव्य विमोचन किया। यह गौरव का विषय है कि इस विशेषांक का विमोचन उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री, महाराज श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में सुसंपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल महाविद्यालय की 52 वर्षों की समृद्ध शैक्षिक यात्रा का उत्सव था, बल्कि संस्थान की सामाजिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक भी रहा।

माननीय मुख्यमंत्री जी का महाविद्यालय आगमन स्वयं में एक ऐतिहासिक घटना है। उनके करकमलों से- ‘अपराजिता’ स्वर्ण जयंती विशेषांक का विमोचन हुआ, जिसने इस अवसर की गरिमा और महत्ता को अभूतपूर्व रूप से बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन में शिक्षा, समाज और संस्कृति के मध्य सुदृढ़ संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल में उच्च शिक्षा की ऐसी अनुपम पहल समाज की वास्तविक प्रगति का आधार बनती है। उन्होंने संस्थान की यात्रा, विगत वर्षों की उपलब्धियाँ और महाविद्यालय परिवार की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

महाविद्यालय की स्थापना और उसकी आध्यात्मिक प्रेरणा का मूल स्रोत सिद्धपीठ भुङ्कुड़ा की पावन धरा है। इस ऐतिहासिक आयोजन में महंथ श्री शत्रुघ्न दास जी महाराज की उपस्थिति ने समारोह को आध्यात्मिक आशीर्ष एवं गरिमा प्रदान की। उन्होंने महाविद्यालय की स्थापना के मूल्यों-सेवा, संस्कृति और सदाचार-को पुनः स्मरण कराते हुए शिक्षा को सामाजिक उत्थान का सबसे पवित्र साधन बताया।

इस वर्ष प्राप्त हुआ यह गौरव और भी विशिष्ट इसलिए है क्योंकि देश और विदेश के अनेक गणमान्य व्यक्तित्वों ने पत्रिका हेतु माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, विभिन्न राज्यों के माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री, कुलपति, कुलसचिव एवं अनेक शैक्षणिक संस्थानों के अधिकारी, प्रतिष्ठित विद्वान, लेखक एवं चिंतक ने अपने शुभकामना संदेश भेजे, इन सभी संदेशों ने विशेषांक की गरिमा को नई ऊँचाइयों पर स्थापित किया।

अपराजिता के संपादन में संपादक मंडल, तकनीकी सहयोग टीम, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता, समर्पण और श्रम अद्वितीय रहा। रचनासंग्रह-, संपादन, विन्यास, प्रूफपठन-, अनुवाद, डिज़ाइन और डिजिटल प्रकाशन-सभी स्तरों पर टीम ने महीनों तक अथक परिश्रम किया। संपादक मंडल हृदय से उन सभी का आभार व्यक्त करता है जिन्होंने रचनाएँ प्रदान कीं, तकनीकी सहयोग दिया, आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया तथा ‘अपराजिता’ की परंपरा को नई ऊँचाई देने में अपना सर्वोत्तम प्रयास किया। यह आयोजन उस विश्वास को पुनः पुष्ट करता है कि जब समाज, शासन, शिक्षा जगत और संस्था एक साथ खड़े होते हैं, तो शिक्षा का दीपक सदियों तक प्रकाशमान रहता है। संपादक मंडल को विश्वास है कि आने वाले वर्षों में ‘अपराजिता’ न केवल रचनात्मक उत्कृष्टता का मंच बनेगी, बल्कि महाविद्यालय की शैक्षणिक और सांस्कृतिक पहचान को और भी सुदृढ़ करेगी।
